

यावज्जिनसा समनं नव द्वायः वज्जिनसा कन
 सुदवसा च्छयकः गुनूराहिन कि निशयिक ॥
 सस्यन नूय ॥ ह नो विरव मा माय साहा ॥
 क ता न्नी ॥ शाग्रयाय ॥ गुनूयूजाः दु छिना नयक ॥
 सग्नन नान ॥ कले सा लिङ्गक ॥ आसिवाद किय ॥ मि ता
 सिद्ध मूद द्वा सकन नव द्वाय ॥ सुदवसुकः कग
 गुनूराहिन नाना विरव मा माय ॥

न नान कन द्वाय ॥ समययक ॥ सनय सिद्धाय ॥
 क्व निवसु वध विधि समाक ॥ ४३ ॥



यि ना वि
 यथा

००००००००



यथा नारा
 यथा यमना